आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :499 पृष्ठ -4 दिनांक 09 जून 2025 दिन सोमवार

सपा सांसद प्रिया सरोज और क्रिकेटर रिंकू सिंह की सगाई आज, अखिलेश-डिंपल समेत कई मेहमान करेंगे शिरकत

भारतीय क्रिकेटर टीम के खिलाड़ी रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की सगाई आज रविवार (8 जून) को लखनऊ के फाइव स्टार होटल सेंट्रम के फलकर्न हॉल में आयोजित होगी. भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज की सगाई का भव्य आयोजन फाइव स्टार होटल में है. इस होटल से कुछ तस्वीर और वीडियो भी सामने आई हैं. इस मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव,सपा सांसद डिंपल यादव औरजया बच्चन समेत कई राजनीतिक हस्तियां और क्रिकेट जगत के लोग शामिल होंगे.वहीं सपा सांसद प्रिया सरोज के पिता और सपा विधायक तूफानी सरोज ने इंच न्यूज से बातचीत में इस रिश्ते की पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों परिवारों ने

रिश्ते को मंजूरी दे दी है आज पारिवारिक और करीबी लोगों के बीच ये कार्यक्रम हो रहा है. इस सगाई समारोह में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं. सूत्रों की माने तो मेहमानों की एंट्री बारकोड स्कैनिंग पास के जरिए होगी और प्राइवेट सिक्यो. रिटी के साथ पुलिस बल भी तैनात रहेगा. इनकी शादी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी के होटल ताज में होगी. प्रिया सरोज और रिंकू सिंह की सगाई का मेन्यूवहीं इनकी सगाई के कार्यक्रम का मेन्यू भी सामने आया है. जिसमें दम आलू बनरासी, जीरा राइस, दाल लखनवी, कढ़ी पकौड़ा, मूंग दाल हलवा, शाही टुकड़ा, इमरती और रबड़ी, कॉफी, चाय, कूकीज, वैनिला आइसक्रीम, वेज हॉट सूप, आलू चना चाट, पापड़ी चाट, मिक्स वेज रायता, पाइनएप्पल रायता, दही भल्ला, पापड़, पनीर टिक्का लवाबदार, वेजिटेबल हक्का नूडल्स, वेजिटेबल मंचुरियन और भिंड़ी मसाला है. कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी दोनों की मुलाकात बता दें कि जहां सपा सांसद प्रिया सरोज राजनीतिक में काफी एक्टिव रहती हैं और अपने सामाजिक कार्यों के लिए मशहूर हैं. वहीं रिंकू सिंह भी अपने शानदार क्रिकेट प्रदर्शन को लेकर चर्चा में रहते हैं. इन दोनों की जोड़ी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है और इन दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी.

मुजफ्फरनगर में मानवता शर्मसार, 80 वर्षीय दादी के साथ पोते ने की रेप की कोशिश

मुजफ्फरनगर में कलयुगी पोते ने रिश्तों की मर्यादाओं का कत्ल करते हुए अपनी 80 वर्षीय दादी के साथ रेप का प्रयास किया. मामला बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के परासौली गांव का है, यहां वृद्धा ने अपने पोते सूरज पर ये संगीन आरोप लगाए हैं. वहीँ इस घटना का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी का पिता माफी मांगते हुए दिख रहा है. फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच श्रुरू कर दी है.जानकारी के मुताबिक ये घटना 2 जून की रात की है, जब पीड़ित बुजुर्ग महिला अपने घर में अकेली सो रही थी. पीड़िता का बेटा अपने परिवार के साथ पास के गांव में भट्टे पर मजदूरी करता है. इसी दौरान आरोपी पोते सूरज ने मौके का फायदा उठाकर वृद्ध महिला के साथ जबरन गलत हरकत करने की कोशिश की. महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीणों ने उसे बचाया.पीड़ित वृद्धा ने बताया कि वह मेरे पास आकर लेट गया और गलत हरकत करने लगा. मैंने शोर मचाया मेरी बहू ने देखा और उसे रोका, उसने मेरा नाड़ा तोड़ दिया और मुंह दबा लिया. बहुत गलत किया, ऐसा नहीं करना चाहिए था.पुलिस ने शुरू में नहीं दिखाई गंभीरताअगले दिन पीड़िता के बेटे ने परा. सौली चौकी पर शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने आरोपी पोते सूरज को हिरासत में लिया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद उसे बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया. पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया. पीड़िता के बेटे ने कहा कि सूरज ने मेरी मां के साथ जबरदस्ती की, उनका नाड़ा तोड़ा और शरीर पर खरोंचें भी आईं. हमने 2 तारीख को थाने में शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने आरोपी को छोड़ दिया. हम चाहते हैं कि उसे सजा मिले.इसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की. सीओ फुगाना ऋषिका सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की. उन्होंने बताया कि हमें सूचना मिली कि 80 वर्षीय महिला के साथ उनके पोते ने गलत कार्य करने का प्रयास किया है. हमने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़िता से बात की है. सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर इंसाफ दिलाने का प्रयास करेंगे. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो वहीँ उधर इस घटना का एक वीडियो भी सा. `शल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें परासौली चौकी पर आरोपी सूरज के पिता धीरज पीड़िता के सामने पैर पड़कर माफी मांग रहा है. जिसको लेकर स्थानीय लोग कलयुगी पोते की करतूत पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

चारधाम यात्रा शुरू होने के 38 दिनों में हेलिकॉप्टर हादसे की चौथी घटना, बाल-बाल बचे यात्री

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. बावजूद इसके लगातार निजी कम्पनियों की सर्विस बढ़ती जा रही है. ताजा मामला शनिवार का है जब टेकऑफ करते वक्त एक प्रोइवाते हेलिकॉप्टर रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाइवे पर इमरजेंसी लैंड करना पड़ा. इसमें पाँचों यात्री सुरक्षित हैं जबकि पायलट को हायर सेंटर रेफर किया गया है.गनीमत ये रही कि हाइवे से गुजर रहे वाहन इसकी चपेट में नहीं आए.जानकरी के मुताबिक केदारघाटी के बडासू हेलिपैड से केदारनाथ के लिए टेकऑफ करते समय हेलिकॉप्टर में तकनीकी खामी आने पर पायटल ने रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाइवे पर इमरजेंसी लैंडिंग करा दी. इस दौरान पायलट के पीठ में चोट आई है. हेलिकॉप्टर में सवार सभी पांच यात्री सुरक्षित हैं.केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थीशनिवार को दोपहर 1. 02 बजे घाटी बता दें कि क्रिस्टल कंपनी के हेलिकॉप्टर ने पांच यात्रियों के साथ बडासू हेलिपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन हेलिकॉप्टर हेलिपैड से बमुश्किल दो मीटर ऊपर ही उठ पाया था कि कुछ तकनीकी खामी आ गई. जिसे भांपते हुए पायलट ने हेलिपैड से ठीक नीचे रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग करा दी. जिससे हेलिकॉप्टर की टेल क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर खड़ी कार पर जा गिरी. जिससे नीचे खड़ी गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई, साथ ही हेलिकॉप्टर के पंखों के चपेट में आने से एक दुकान का आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया. गनीमत रही कि उस समय हाईवे पर कोई वाहन और राहगीर नहीं गुजर रहा था, वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था. आईटीबीपी के जवानों ने यात्रियों को निक. ालासूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ और आईटीबीपी के जवानों ने तत्काल पहुंचकर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला. पायलट रविंद्र सिंह सोढ़ी (55) को पीठ में चोट आने से तत्काल नजदीकी स्वामी विवे. कानंद अस्पताल नारायणकोटी में भर्ती किया गया. जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है.केदारनाथ यात्रा के हेलिकॉप्टर सेवा नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने एबीपी लाइव से बात करते हुए बताया कि टेकऑफ के दौरान तकनीकी खामी आने पर पायलट ने हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई है. प्रशासन, पुलिस और रेस्क्यू दल द्वारा हेलिकॉप्टर को सड़क से हटाने का काम किया जा रहा है, जिससे यातायात जल्द सुचारू हो सके. हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सड़क पर खड़ी एक कार को भी क्षति पहुंची है. हालांकि केदारनाथ के लिए हेलिकॉप्टर सेवा सुचारू हैं.अब तक इस सीजन में चौ. थी घटनाअब तक चारधाम यात्रा शुरू होने के 38 दिनों में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की यह चौथी घटना है. इससे पहले मई माह के पहले सप्ताह में गंगोत्री क्षेत्र में हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था. उसमें पायलट सहित छह लोगों की मौत हो गई थी. 12 मई को बदरीनाथ में हवा के दबाव के कारण एक हेलिकॉप्टर हेलिपैड पर रपट गया था. 17 मई को केदारनाथ धाम से मरीज को लेने जा रही एम्स ऋषिकेश की हेली एंबुलेंस को हेलिपैड के समीप इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी. 7 जून को केदारघाटी के बडासू में केदारनाथ के लिए जा रहे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है. इन तमाम घटनाओं के बाद एक बार फिर से केदारनाथ में चल रही तमाम हेली सेवाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं.

सपा चीफ अखिलेश यादव बोले- श्यूपी की जनता बिजली और पानी के संकट से बुरी तरह परेशान

उत्तर प्रदेश की जनता बिजली और पानी के संकट से बुरी तरह परेशान है. समा. जवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर सीधा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार के आने के बाद प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने लोगों की जिंदगी मुश्किल कर दी है. सत्ता के घमंड में डूबी बीजेपी सरकार को लोगों की परेशानियां नजर नहीं आ रही हैं. अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता अपने घर की जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रही है, और भारी उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है. अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश में बिजली और पानी की हालत खराब है. गांवों और शहरों दोनों जगह लोग परेशान हैं. उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी बिजली कटौती से लोग त्रस्त हैं. वहां सिर्फ 21 मिनट में चार बार बिजली कटने की खबरें आई हैं. 131 नलकूपों से जल आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है. बांदा में गांवों को 8 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है, जबकि 550 मेगावाट बिजली की जरूरत है.पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी सरकार ने खुद कोई भी नया बिजलीघर नहीं बनाया. समाजवादी पार्टी के समय जो बिजलीघर बने थे, उन्हीं से बिजली आ रही है. बीजेपी सरकार तो उन बिजलीघरों की पूरी क्षमता से भी बिजली पैदा नहीं कर पा रही. नतीजा यह है कि बिजली महंगी होती जा रही है और कर्मच. ारी आंदोलन कर रहे हैं. सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए बिजली व्यवस्था का निजीकरण कर रही है, जिससे सिर्फ प्राइवेट कंपनियों और बड़े उद्योगपतियों को फायदा होगा.अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि बीजेपी सरकार की पेयजल योजनाएं भी फेल हो गई हैं. फाइलों और विज्ञापनों में तो ये योजनाएं खूब दिखती हैं, लेकिन जमीन पर एक बूंद भी साफ पानी नहीं पहुंच रहा. गांवों और शहरों में पाइपलाइनें अधूरी पड़ी हैं और नल सूखे हुए हैं. हर घर नल योजना का हाल ये है कि कई जगहों पर पाइप तो लगा दिए गए, लेकिन साल-डेढ़ साल में भी एक बूंद पानी नहीं आया. जल जीवन मिशन के तहत सड़के तो खोद दी गईं, लेकिन लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिला. अखिलेश यादव ने इसे घोटाले और भ्रष्टाचार का नतीजा बताया.जनता के हितों को भूल गई बीजेपी सरकार- अखिलेश यादवसमाजवादी पार्टी का कहना है कि अगर बीजेपी सरकार ने समाजवादी सरकार के समय की योजनाओं को बर्बाद न किया होता तो आज जनता इतनी परेशान नहीं होती. उन्होंने कहा कि बीजेपी की डबल इंजन सरकारें आपस में ही लड़ रही हैं और जनता के हितों को भूल गई हैं. इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के यूपी से चुने जाने के बावजूद प्रदेश को केंद्र से अतिरिक्त बिजली का कोटा नहीं मिल पा रहा. जनता अब बीजेपी सरकार की नाक. ामियों को समझ चुकी है- अखिलेश यादवअखिलेश यादव ने कहा कि जनता अब बीजेपी सरकार की नाकामियों को समझ चुकी है. 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता बदलाव के लिए तैयार है. जनता अब बिजली-पानी के संकट और भ्रष्टाचार से आजिज आ चुकी है और आने वाले चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाकर खुशहाली के रास्ते पर बढ़ने का मन बना चुकी है.

जून में बुरी तरह से तप रहा वाराणसी, पारा 45 डिग्री के पार, राहत के नहीं कोई आसार!

वाराणसी सहित पूर्वांचल में प्रचंड गर्मी का असर देखा जा रहा है. इस बीच तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचाने का अनुमान जताया गया है. वाराणसी में जहां 8 जून को न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने का अनुमान है, वहीँ अधिकतम तापमान 43 डिग्री रहेगा. इसके अलावा पूरे दिन धूप खिली रहेगी. अभी फिलहाल 4 से 5 दिनों तक गर्मी से राहत के कोई आसार नहीं है.आईएमडी रिपोर्ट की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार अभी 4 से 5 दिनों तक वाराणसी सहित पूर्वांचल को गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है. 9 जून को वाराणसी का अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच सकता है, वहीं न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहेगा. जून के दूसरे सप्ताह में भी वाराणसी में बारिश की कोई संभवना नहीं दिखाई दे रही हैं. हालांकि मौसम वैज्ञानिकों की माने तो बीते वर्षों की तुलना में इस वर्ष मानसून समय से पहले दस्तक दे सकता है.मानसून पर टिकी लोगों की उम्मीदेंवाराणसी में प्रचंड गर्मी से आम जनजीवन पूरी तरह बेहाल दिखाई दे रहा है. दोपहर के समय आम लोगों से लेकर जानवर तक गर्मी से पूरी तरह व्याकुल नजर आते हैं.मौसम वैज्ञानिक. ों ने इस वर्ष समय से पहले मानसून के दस्तक देने की संभावना जताई है और कहीं ना कहीं यह अनुमान लोगों की उम्मीदो को बढ़ाने वाला है. ऐसे में देखना होगा की जून के तीसरे और चौथे सप्ताह तक वाराणसी में मानसून की क्या स्थिति रहती है.वाराणसी के साथ ही अभी आ. सपास के इलाकों में भी गर्मी का यही हाल. जून का पहला सप्ताह बीत रहा है लेकिन यूपी में कहीं भी बारिश नहीं हुई. जबकि बीते मई में आंधी-बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गयी थी. लेकिन जून जमकर तप रहा है. मौसम विभाग की माने अब सीधी मानसून की ही बारिश होगी उसके बाद ही कुछ राहत मिलने की उम्मीद है.

रोडवेज को मिलेंगी 63 नई बसें, 54 ग्रामीण रूटों पर होगा संचालन

यूपी रोडवेज के प्रयागराज रीजन को ग्रामीण रूटों के लिए अगस्त तक मुख्यालय से 63 नई बसें मिलेंगी। 42 सीटों वाली मिनी बसों के के संचालन के लिए 54 रूटों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें 30 रूट ऐसे होंगे।यूपी रोडवेज के प्रयागराज रीजन को ग्रामीण रूटों के लिए अगस्त तक मुख्यालय से 63 नई बसें मिलेंगी। 42 सीटों वाली मिनी बसों के के संचालन के लिए 54 रूटों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें 30 रूट ऐसे होंगे, जहां बसें शाम को आएंगी और सुबह यात्रियों को लेकर शहर आएंगी। अन्य रूटों पर दिन भर बसों का संचालन होता रहेगा। प्रयागराज की कुछ रूट पर बसें चल रही हैं। अन्य रूटों पर जनप्रतिनिधियों और

स्थानीय लोगों से प्रस्ताव मांगा जाएगा। इन बसों का संचालन ग्रामीण बस सेवा के रूप में होगा। बसें सिविल लाइंस, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, जीरो रोड, प्रयाग और लालगंज डिपो से चलेंगी।आयशर कंपनी की बसों में दो सीटें दाएं और दो सीटें बाएं होंगी। इसमें सर्वाधिक 21 बसें प्रतापगढ़ डिपो को मिलेंगी। वहां इनका संचालन 17 रूटों पर प्रस्तावित किया गया है। इसके अलावा जीरो रोड डिपो को 15, मिर्जापुर डिपो को 13, सिविल लाइंस को छह, प्रयाग को पांच व लालगंज डिपो को तीन बसें मिलेंगी। रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र सिंह ने बताया कि अगर किसी ग्रामीण मार्ग पर पहले से ही निगम बस संचालित है तो उन मार्गों को छोड़कर दूसरे मार्गों पर बसें चलेंगी।

20 लाख की डायमंड ज्वेलरी से भरा बैग लेकर भागा बंदर, घंटों की भागा-दोड़ी के बाद हुआ यह!

वृन्दावन में ठाकुर बांके बिहारी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे अलीगढ़ के आभूषण कारोबारी अभिषेक अग्रवाल की जान उस समय सांसत में आ गई जब एक बंदर 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण से भरा उनका थैला छीनकर भाग गया. पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी.कोतवाली प्रभारी प्रशांत कपिल ने बताया कि अभिषेक अग्रवाल बृहस्पतिवार को परिवार के साथ ठाकुर जी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे थे और वह शुक्रवार को लौट रहे थे.उन्होंने बताया कि जब वह पार्किंग में थे तभी अचानक एक बंदर उनके हाथ से उनका थैला छीन कर ले गया जिसमें 20 लाख रुपये से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण थे. पुलिस उपाधीक्षक (सदर) संदीप सिंह ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने बंदर की घेराबंदी कर घंटों की मशक्कत के बाद बैग सही सलामत हासिल कर उसके मालिक को सौंप दिया. अवगत कराना है कि थाना वृन्दावन पुलिस टीम द्वारा, दिनांक 05.06.2025 को अलीगढ़ निवासी अभिषेक अग्रवाल जो फूल बंगला बांके बिहारी की सेवा के लिए आए थे.प्रेस रिलीज में आगे लिखा गया कि- ष्बांके बिहारी जी की सेवा करने के उपरांत रास्ते में जाते समय बंदर द्वारा उनका कीमती आभूषणों से भरा बैग छीन लिया गया जिसमें एक हीरे जड़ा हार, दो अंगूठी हीरा जड़ी, तीन पाजेब चांदी की व दो टॉप्स हीरा जड़ी जिनकी कीमत करीब 20 लाख रुपये थी को सीसीटीवी कैमरे की मदद से चौक कर झाड़ियों से बरामद कर श्रद्धालू के सुपुर्द किया गया. पुलिस की इस कार्रवाई से श्रद्धालू व उनका परिवार हंसी खुशी प्रसन्न होकर अपने गंतव्य को प्रस्थान कर गए. थाना वृन्दावन पुलिस की इस कार्यवाही श्रद्धालू व उनके परिवार एवं आम जनमानस द्वारा पुलिस की प्रशंसा की.

हाथरस में RSS ने मनाया हिंदू साम्राज्य दिवस बागला इंटर कॉलेज में कार्यक्रम, छत्रपति शिवाजी के राज्याभिषेक की याद में आयोजन

हाथरस के बागला इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा हिंदू साम्राज्य दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन से हुई। मुख्य वक्ता इन्द्रहास चौहान ने बताया कि यह दिवस सन 1674 में ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की याद में मनाया जाता है।शिवाजी महाराज ने महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में हिंदू पदशाही की स्थापना की थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष में छह प्रमुख उत्सवों का आयोजन करता है, जिनमें हिंदू साम्राज्य दिवस भी शामिल है। वक्ताओं ने शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई और गुरु समर्थ रामदास ने उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी

प्रशांत अग्रवाल ने की, जबकि संचालन नगर कार्यवाह भानु ने किया। इस अवसर पर विभाग सह कार्यवाह अजय कुलश्रेष्ठ, जिला संघचालक डॉ. यूएस गौड़, जिला बौद्धिक प्रमुख पवन शर्मा, आशीष सेंगर, नगर कार्यवाह भानु, मनीष अग्रवाल , नगर संघचालक डॉ पीपी सिंह ,सह नगर संघचालक धर्मेंद्र सिंह , सह नगर कार्यवाह टिंकू राना, विपिन ,नगर सह धर्म जागरण प्रमुख शुभम आदि मुख्य रूप से मौजूद थे। भाजपा से जिलाध्यक्ष शरद महेश्वरी और नगर अध्यक्ष मूलचंद्र वार्ष्णेय भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

हाथरस में कॉलेज संचालक का बेटा पुलिस से भिड़ारूदरोगा की फाड़ी वर्दी, अब गिरफ्तारी से बचता फिर रहाय सीट बेल्ट चेकिंग के दौरान विवाद

हाथरस के नगला भुस इलाके में शुक्रवार रात पुलिस द्वारा की जा रही वाहन चेकिंग उस समय बवाल में बदल गई जब एक अर्टिगा कार को रोका गया। कार में बैठे लोगों ने सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी। इस पर जब एसआई यशवीर सिंह ने पूछ. ताछ शुरू की तो कार से उतरे तीन युवक भड़क उठे।एक युवक ने खुद को अधीर पचौरी, पुत्र गिरीश पचौरी निवासी रोहई गांव बताया और कहा कि उसके कई कॉलेज हैं, जहां सीआरपीएफ फोर्स भी रुकती है। उसने पुलिस को नाम लेकर धमकाया और वाहन का चालान होने से रोकने की कोशिश की।दरोगा की वर्दी फाड़ीजब पुलिस ने चालान की प्रक्रिया शुरू की तो अधीर पचौरी ने एसएसआई केशव दयाल और अन्य पुलिसकर्मियों के साथ धक्का–मुक्की की। सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए उसने दरोगा की वर्दी तक फाड़ दी। इस हंगामे के चलते हाईवे पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई।आरोपी की तलाश में दबिशेंघटना के बाद पुलिस ने अधीर पचौरी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अभद्रता की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी है, लेकिन अब तक वह पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस उसके लोकेशन और नेटवर्क को खंगाल रही है।हाथरस पुलिस का सख्त रुख पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, बख्शा नहीं जाएगा। कानून से खिलवाड़ और पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तय है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हाथरस में सड़क हादसे में एक मजदूर की मौत सड़क निर्माण के दौरान हुआ हादसा, परिजनों का आरोप ठेकेदार ने सूचना तक नहीं

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव जोगिया के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। कासगंज के गंजडुंडवारा के गांव सनोट निवासी 45 वर्षीय इतवारी पुत्र गोवर्धन की मौत हो गई। इतवारी सड़क निर्माण कार्य में लगा हुआ था। दुर्घटना उस समय हुई जब एक ट्रैक्टर और कूड़ा उठाने वाली गाड़ी आपस में टकरा गईं। इस टक्कर में इतवारी की मौके पर ही मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवार को सूचित किया गया। परिवार के सदस्यों के पहुंचने पर वहां को. हराम मच गया। मृतक के परिवार के लोगों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार ने अब तक उन्हें सूचना नहीं दी और वह अब तक उनसे मिलने भी नहीं आया है। इतवारी ने अपने पीछे अन्य परिजनों के अलावा नौ बच्चों को छोड़ा है।

अलीगढ़ में पंखिया गैंग के चार शातिर गिरफ्तार, हाईवे के किनारे के गांवों को बनाते निशाना, नंगे पैर चोरी करता है गैंग

अलीगढ़ रू हाईवे और सड़क किनारे के गांवों में चोरी और लूट करने वाले पंखिया गैंग के चार शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. थाना इगलास इलाके में लगातार हुई 12 से अधिक चोरियों का भी खुलासा हुआ है. आरोपियों के पास से डेढ़ किलो चांदी, 25 ग्राम पीली धातु (संभावित सोना), नकदी और एक चोरी में शामिल मारुति गाड़ी बरामद की गई है.मुखबिर की सूचना पर थाना इगलास पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करवन नदी की पुलिया के पास से गिरोह के चार सदस्यों को दबोचा. पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं.आरोपियों पर दर्ज हैं 65 मुकदमे रू गिरफ्तार आरोपियों पर 65 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं. ये सभी अपराधी शाहजहांपुर, बरेली और बदायूं के रहने वाले हैं. गैंग का नेटवर्क इन तीन जिलों से संचालित होता था और ये हाईवे किनारे के गांवों को अपना निशाना बनाते थे.चोरी का अनोखा तरीका रू गैंग चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के लिए फोर व्हीलर गाड़ी से जाते थे. गाड़ी को किसी ढाबे या सुनसान स्थान पर खड़ा कर देते थे. फिर नंगे पैर पैदल गांव में पहुंचते और बंद पड़े घरों को निशाना बनाते थे. इनकी खासियत थी कि एक ही रात में तीन–चार घरों में सेंधमारी करते थे. इससे गांव में दहशत का माहौल बन जाता था और पुलिस को गुमराह करना आसान हो जाता था.चोरी का माल खरीदने वाला सुनार भी गिरफ्तार रू गैंग द्वारा चोरी की गई ज्वेलरी को खरीदने वाले एक सुनार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बताया कि यह सुनार चोरी का माल खपाने में मदद करता था और गिरोह से लंबे समय से जुड़ा हुआ था.आरोपियों के पास से लगभग 1.5 किलो चांदी, 25 ग्राम पीली धातु (संभावित सोना), मारुति गाड़ी, नकद धनराशि बरामद की गई है. एसपी ग्रामीण अमृत जैन ने बताया कि पंखिया गैंग लंबे समय से अलीगढ़ समेत आसपास के जिलों में सक्रिय था. इनकी गिरफ्तारी पुलिस की एक बड़ी सफलता है. पूछताछ और अन्य घटनाओं के खुलासे के लिए आरोपियों को रिमांड पर लिया जाएगा. इनके सरगना के बारे में भी पुलिस पता कर रही है.

त्रयोदशी संस्कार से लौट रहे परिवार पर हमला सादाबाद के 6 लोग घायल, एक आगरा रेफर लूटपाट का भी आरोप

हाथरस के सादाबाद तहसील स्थित गढ़ी भूपचंद्र गांव में त्रयोदशी संस्कार से लौट रहे लोगों के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। घटना में दो महिलाओं समेत छह लोग घायल हुए हैं।आगरा जिले के बरहन क्षेत्र के नगला अंडू गांव के निवासी चक्रपाल सिंह के फूफा की त्रयोदशी संस्कार में शनिवार को परिवार के कई लोग शामिल हुए थे।दावत के बाद जब पदोशी संस्कार में होने वाली रस्मों को अदा करने के बाद वे देर रात अपने गांव लौट रहे थे, तब रास्ते में उनके ही रिश्तेदारों ने उन पर हमला किया गया। उनकी चक्रपला की दो भतीजी आगरा के खंदौली थाना केगांव बमानी में ब्याही थी। एक भतीजी का ससुराल वालों से विवाद चल रहा था। दावत में भतीजी भी शामिल हुई थी और वह उनके साथ वापस गांव जा रही थी। इसी रंजिशन लोगों ने रास्ते में रोक–कर उनसे मारपीट की।हमले में चक्रपाल सिंह, गिर्राज सिंह, भूरी सिंह उर्फ रमेश, रोहित, रेनू चौहान और खुशबू घायल हुए। एक अन्य महिला सुगंधि को मामूली चोटें आईं। गिर्राज सिंह की हालत गंभीर होने पर उन्हें आगरा रेफर किया गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान उनसे नगदी और जेव. रात भी छीन लिए। बताया जा रहा है कि चक्रपाल की एक भतीजी का ससुराल में विवाद चल रहा है और वह वहां नहीं रहती। उसके त्रयोदशी में आने से नाराज होकर ससुराल पक्ष ने यह हमला किया।सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने कहा कि मामला संज्ञान में है। अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में तीन की मौत, कैंटर ने बाइक में मारी टक्कर दंपती अपने नाती संग जा रहे थे बेटी के घर

इगलास में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। राजपाल सिंह उनकी पत्नी मीरा देवी और नाती युवराज सिंह एक मोटरसाइकिल पर थे। एक तेज रफ्तार कैंटर ने उन्हें टक्कर मार दी। मीरा देवी और युवराज की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि राजपाल ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।कैंटर की टककर से तीन लोगों की मौत हो गई। इगलास कोतवाली के गांव भरतपुर निवासी राजपाल सिंह पत्नी मीरा देवी व नाती युवराज सिंह मोटरसाइकिल से सुबह अपनी बेटी के यहां भरतपुर कुबेर जाने के लिए निकले थे। वही रास्ते में अऐरा के समीप अलीगढ़ मथुरा बॉर्डर पर तेज रफ्तार मथुरा की तरफ से आ रही कैंटर रजिस्ट्रेशन संख्या न्च 25 म्ज 4265 ने बाइक सवार दंपती और उनके नाती को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मीरा देवी व युवराज की मौके पर ही मौत हो गई। राजपाल को जिला अस्पताल मथुरा भिजवाया गया। जहां से डॉक्टरों द्वारा आगरा के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही राजपाल की भी मृत्यु हो गई।

सादाबाद में बस में करंट से एक की मौत

सादाबाद में हुए एक दर्दनाक हादसे में वैष्णो देवी यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं की बस में करंट उतरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दो अन्य लोग घायल हो गए। घटना शनिवार दोपहर की है। प्राइवेट बस स्टैंड के पास 33000 वोल्ट की बिजली की लाइन से बस का संपर्क हो गया। कजरौठी निवासी 40 वर्षीय संजय कुमार अपना सामान उतारने के लिए बस की छत पर चढ़े थे।उनके पीठ पर लगा बैग हाई टेंशन लाइन से टकरा गया। इससे वे बुरी तरह झुलस गए और नीचे गिर पड़े। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बस में करंट उतरने से मई निवासी देवेंद्र कुमार और कासिमपुर बलदेव की रहने वाली मीरा देवी भी झुलस गईं. ।दोनों घायलों को आगरा के एसएन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बस में सादाबाद क्षेत्र के मई, कजरौठी, दाऊजी, बिसावर, जलेसर और बलदेव गांव के 60 से अधिक श्रद्धालु सवार थे। ये सभी 27 मई को वैष्णो देवी सहित नौ देवी के दर्शन के लिए गए थे। बस शुक्रवार को लौटनी थी, लेकिन खराब होने के कारण शनिवार को पहुंची।मृतक संजय के परिवार में पत्नी, तीन बेटे और एक बेटी हैं। वे टीन शेड वाले मकान में रहते थे। घर पर कन्या लंगुरा जिमाने की तैयारी थी और परिवार उनका इंतजार कर रहा था। 33 केवी विद्युत उपकेंद्र मरघट रोड के अवर अभियंता अजय कुमार ने कोतवाली में बस चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।उन्होंने आरोप लगाया है कि चालक ने लापरवाही से बस को हाई टेंशन लाइन के नीचे खड़ा किया। सीओ सादाबाद हिमांशु माथुर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मां सरस्वती सांस्कृतिक क्लब के सदस्यों ने लिया बालाजी महाराज का आशीर्वाद

अलीगढ़।मां सरस्वती सांस्कृतिक क्लब के सदस्यों ने श्री मेहंदीपुर बालाजी मंदिर पहुंच कर बालाजी महाराज के दर्शन किए।इस दौरान सभी सदस्यों ने वहां पहुंचकर लंबी कतार में लगने के बाद श्री मेहंदीपुर बालाजी के पूरी श्रद्धा और लगन के साथ दर्शन किए।वहीं क्लब के कोऑर्डिनेटर संतोष बाबू अग्रवाल ने कहा कि आज के युग में हर व्यक्ति को थोड़ा समय निकालकर पूजा पाठ या तीर्थ स्थान के दर्शन करने चाहिए क्योंकि हर व्यक्ति को भगवान के आशीर्वाद की आवश्यकता होती है।अधिवक्ता भुवनेश अग्रवाल ने कहा कि धन दौलत बहुत कुछ होती है लेकिन सब कुछ नहीं इसलिए हमें धन के साथ–साथ पूजा पाठ और सामाजिक कार्य करते हुए पुण्य कमाने की भी आवश्यकता होती है।इस धार्मिक यात्रा में एडवोकेट संतोष बाबू अग्रवाल,गौरव शर्मा, विशाल सैनी,कन्हैयालाल एवं एडवोकेट भुवनेश अग्रवाल शामिल रहे।

हाथरस में दिनेश शर्मा का कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने किया स्वागत

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा को हिमांचल यूनिवर्सिटी, शिमला की ओर से डीलिट की उपाधि से नवाजा गया है। उपाधि प्राप्त करने के बाद दिनेश शर्मा का हाथरस में जोशीला स्वागत किया गया। शहर में अलीगढ़ रोड स्थित रामबाग इंटर कॉलेज में आयोजित स्वागत समारोह में सदर विधायक अंजुला माहौर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आशीष शर्मा और युवा मोर्चा अध्यक्ष सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर दिनेश शर्मा का जोशीला स्वागत किया गया।दिनेश शर्मा हाथरस जिले के अहव. रनपुर गांव के निवासी हैं। उनका गांव हा. थरस शहर से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। शहर के लोगों से उनका गहरा जुड़ाव है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रतिनिधि और शिक्षा जगत से जुड़े लोग भी उपस्थित रहे।समारोह में उपस्थित लोगों ने दिनेश शर्मा को फूल माला पहनाकर और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस सम्मान से दिनेश शर्मा अभिभूत नजर आए।

अलीगढ़ में हार्डवेयर फैक्ट्री कर्मचारी की मौत परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन, पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया

अलीगढ़ के शक्ति नगर स्थित वेस्टल हार्डवेयर फैक्ट्री में एक कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान जलालपुर निवासी 40 वर्षीय रामकिशन के रूप में हुई है। वह पिछले 17 वर्षों से फैक्ट्री में कार्यरत था।शुक्रवार को रामकिशन फैक्ट्री में काम कर रहा था। दोपहर में उसकी तबीयत बिगड़ी, लेकिन फैक्ट्री प्रबंधन ने परिवार को सूचित नहीं किया। देर रात तक घर न पहुंचने पर परिजन फैक्ट्री पहुंचे, जहां उन्हें रामकिशन का शव मिला।मौत की खबर फैलते ही स्थानीय लोग और परिजन फैक्ट्री में एकत्र हो गए। उन्होंने शव को फैक्ट्री में रखकर प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया। परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।थाना बन्ना देवी सहित तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ कार्रवाई और परिवार को मुआवजे की मांग की। पुलिस ने मामले की गहन जांच का आश्वासन दिया।परि. जनों का कहना है कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जाता। फैक्ट्री मालिक और अन्य जिम्मेदार व्यक्ति घटना के बाद से फरार हैं। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अटल आवासीय विद्यालय में कराया गया योगाभ्यास

अलीगढ़ क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. नरेन्द्र कुमार के आदेशानुसार राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय चिरौलिया के योग प्रशिक्षक एवं मास्टर ट्रेनर शिवा पाठक योग सहायक ललिता एवं क्रष्ण वीर द्वारा अटल आवासीय विद्यालय टमकौली के प्रधानाचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी से सम्पर्क कर प्रातः विद्यालय पँहुच कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के परिप्रेक्ष्य में योगा थीम, योगा फार वन अर्थ वन हेल्थ के अंतर्गत सत्र का आयोजन कर प्रोटोकॉल के अनुसार छात्र– छात्राओं व विद्यालय के शिक्षक सहित अन्य स्टाफ को योगाभ्यास कराया गया।योगाभ्यास कार्यक्रम में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी संजेश कुमार व शिक्षकों विशेष सहयोग रहा विद्यालय की शारीरीकशिक्षिका को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय में अध्ययनरत 115 छात्र छात्राओं ने योगाभ्यास में सहभागिता की।

शराब नहीं पीते और स्मोकिंग भी नहीं करते फिर भी उम्र से पहले कांपने लगते हैं हाथ, समझ लीजिए हो गई है ये गंभीर बीमारी

हाथों का कांपना ऐसी समस्या है, जिसका कनेक्शन उम्र बढ़ने के साथ होता है. हालांकि, एक रिसर्च में ऐसा खुलासा हुआ है, जो युवा और मध्यम आयु वर्ग के लोगों के खतरे की घंटी है. दरअसल, रिसर्च में देखा गया कि उन लोगों को भी हाथ कांपने की दिक्कत हो रही है, जो न तो शराब पीते हैं और न ही स्मोकिंग करते हैं. आइए जानते हैं कि ऐसा होने की वजह क्या है? हाथ कांपने का क्या है मतलब? हाथों का कांपना ऐसी स्थिति है, जिसमें हाथों में बिना वजह कंपन महसूस होता है. यह दिक्कत सामान्य तनाव, थकान या कैफीन के ज्यादा सेवन से हो सकती है, लेकिन यह परेशानी बार–बार और बिना किसी वजह हो तो यह गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों का संकेत हो सकता है. हाथ कांपने के प्रमुख कारण

एसेंशियल ट्रेमररू एसेंशियल ट्रेमर दुनिया भर में सबसे आम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर में से एक है, जो बिना वजह कंपन का कारण होता है. यह दिक्कत आ. मतौर पर हाथों में शुरू होती है. इसकी वजह से लिखने, खाने या बर्तन पकड़ने जैसे काम भी मुश्किल लगते हैं. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स एंड स्ट्रोक (छप्छक्ै) के अनुसार, यह स्थिति आनुवंशिक हो सकती है और 40 साल से कम उम्र के लोगों में भी देखी जा सकती है.पार्किंसंसरू पार्किंसंस एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जो दिमाग में डोपामाइन प्रॉडक्शन करने वाली सेल्स के नुकसान के कारण होता है. यह बीमारी अब युवाओं में भी देखी जा रही है. खासतौर पर 30 से 40 साल उम्र के लोग इसकी चपेट में काफी ज्यादा आ रहे हैं. आराम करते वक्त भी हाथों का कांपना इस बीमारी का शुरुआती लक्षण है. स्ट्रेस और एंग्जाइटीरू मानसिक तनाव और चिंता भी हाथ कांपने का प्रमुख कारण हो सकते हैं. जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, काफी समय तक टेंशन रहने से मस्तिष्क का न्यूरोट्रांसमीटर बैलेंस प्रभावित होता है. इसकी वजह से बिना वजह हाथ कांप सकते हं. यह समस्या उन लोगों में खासकर देखी जाती है, जो शराब या स्मोकिंग से दूर रहते हैं. हालांकि, काम, परिवार या सामाजिक दबाव के कारण टेंशन में रहते हैं. थायरॉइडरू हाइपरथायरॉइडिज्म (हाइपर एक्टिव थायरॉइड) भी हाथ कांपने का कारण हो सकता है. दरअसल, थायरॉइड हार्मोन का डिसबैलेंस नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है, जिससे हाथों में कंपन, घबराहट और तेज धड़कन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं. यह दिक्कत महिलाओं में बेहद कॉमन है. पोषक तत्वों की कमीरू विटामिन बी12, मैग्नीशियम और फोलेट की कमी कारण भी हाथ कांपने की दिक्कत हो सकती है. दरअसल, शाकाहारी या वीगन डाइट लेने वालों में विटामिन बी12 की कमी आम है, जो नर्वस सिस्टम पर असर डालती है. इसके अलावा मैग्नीशियम की कमी भी मांसपेशियों में ऐंठन और कंपन को बढ़ावा देती है.नींद की कमीरू नींद की कमी नर्वस सिस्टम पर प्रेशर डालती है और हाथ कांपने का कारण बन सकती है. यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स केस मेडिकल सेंटर की एक अध्ययन के अनुसार, नींद पूरी न होने से दिमाग का कामकाज प्रभावित होता है, जिससे हाथों में कंपन हो सकता है. यह दिक्कत उन लोगों में ज्यादा होती है, जो बिजी लाइफस्टाइल की वजह से रात में 7–8 घंटे की नींद नहीं ले पाते हैं.

दुनिया में हर 2 मिनट में होती है 1 प्रेग्नेंट महिला की मौत, जानिए इसके बड़े कारण

दुनिया में हर दो मिनट में एक प्रेग्नेंट महिला की मौत हो जाती है. यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी ॅभ्व् ने अपनी एक रिपोर्ट में दी, जिसमें बताया गया कि 2023 के दौरान हर दो मिनट में एक गभ.´वती महिला ने अपनी जान गंवा दी. यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, क्योंकि 2023 में ग्लोबल लेवल पर करीब 2.60 लाख मि.हलाओं की मौत प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के दौरान या बाद में हुई. हालांकि, साल 2000 से 2023 के बीच मातृ मृत्यु दर में 40 फीसदी की कमी आई है. आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के दौरान अपनी जान क्यों गंवा देती हैं महिलाएं? मातृ मृत्यु क्या है?डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, मातृ मृत्यु उस महिला की मृत्यु है, जो गर्भावस्था के दौरान, डिलीवरी के वक्त या डिलीवरी के बाद 42 दिनों में अपनी जान गंवा देती है. इन मामलों का ताल्लुक प्रेग्नेंसी या उसके मैनेजमेंट से होता है. वहीं, अमेरिकन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन्स एंड गायने. कोलॉजिस्ट्स कई मामलों में मातृ मृत्यु को गर्भावस्था के एक वर्ष बाद तक की अवधि में होने वाली मृत्यु से भी जोड़कर देखते हैं. मातृ मृत्यु दर प्रति 1,00,000 जीवित जन्मों पर मातृ मृत्यु की संख्या को दिखाती है. 2023 में ग्लोबल 197 प्रति 1,00,000 जीवित जन्म था, जो कम आय वाले देशों में 346 और हाई इनकम वाले देशों में 10 था.किस वजह से अपनी जान गंवाती हैं प्रेग्नेंट महिलाएं? रक्तस्रावरू डिलीवरी के बाद ज्यादा ब्लीडिंग मातृ मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है. ऐसे मामले भारत–पाकिस्तान जैसे विकासशील देशों में ज्यादा मिलते हैं. डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 1990 में 1,14,000 महिलाओं की मृत्यु ब्लीडिंग की वजह से हुई थी, जो 2021 तक घटकर 47,000 रह गई. हालांकि, ग्लोबल लेवल पर अब भी यह मातृ मृत्यु का प्रमुख कारण है.हाई ब्लडप्रेशर प्रीक्लेम्पसिया और एक्ल.`म्पसिया जैसे हाई ब्लड प्रेशर डिसऑर्डर गर्भवती महिलाओं में मृत्यु के प्रमुख कारण हैं. ये डिसऑर्डर दिमाग, किडनी और अन्य अंगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं.मेंटल हेल्थ कंडीशन मेंटल हेल्थ कंडीशन जैसे अवसाद, चिंता और प्रसवोत्तर अवसाद) मातृ मृत्यु की प्रमुख वजह हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि प्रेग्नेंट और डिलीवरी के बाद महिलाओं की मेंटल हेल्थ स्क्रीनिंग बढ़ाने की जरूरत है.संक्रमण प्रेग्नेंसी के दौरान या डिलीवरी के बाद होने वाले इंफे. क्शन जैसे सेप्सिस मातृ मृत्यु के एक अन्य प्रमुख कारण हैं. अपर्याप्त सफाई, कुशल स्वास्थ्यकर्मियों की कमी और एंटीबायो. टिक्स तक सीमित पहुंच इस खतरे को बढ़ाती हैं.हार्ट से संबंधित दिक्कतें हार्ट डिजीज और कार्डियोमायोपैथी (हृदय की मांसपेशियों का कमजोर होना) मातृ मृत्यु के प्रमुख कारणों में से हैं. प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में होने वाले बदलाव खून की मात्रा में इजाफे से हार्ट पर प्रेशर बढ़ सकता है. कैसे कम कर सकते हैं मातृ मृत्यु दर?एक्सपर्ट्स के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के दौरान रेगुलर जांच से खतरों की पहचान और उनका समाधान किया जा सकता है. वहीं, डिलीवरी के दौरान ट्रेंड डॉक्टरों की मौजूदगी से मातृ मृत्यु दर कम हो सकती है. गर्भवती महिलाओं और उनके परिवार को आने वाले खतरों की जानकारी देकर दिक्कतों को दूर किया जा सकता है.

असली और नकली सत्तू की ऐसे करें पहचान, काफी आसान है तरीका

गर्मियों में सत्तू को सुपरफूड माना जाता है, जिससे शरीर को कई सारे फायदे मिलते हैं. ये एक नेचुरल ड्रिंक है, जो भुने हुए चनों को पीसकर बनाया जाता है. गर्मियों में शरीर में ठंडक बनाने और खुद को हाइड्रेटिड रखने के लिए लोग सत्तू का शरबत काफी पीते हैं. इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर और कई सारे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. सत्तू की तासीर ठंडी होती है. आजकल ज्यादातर लोग सत्त अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करते हैं. लेकिन कई बार लोग इस चीज को लेकर काफी कंफ्यूज रहते हैं कि मार्केट में मिलने वाला सत्तू खरीदे या नहीं, ऐसे में चलिए हम आपको मार्केट में मिलने वाले असली और नकली सत्तू की पहचान करने का तरीका बताते हैं.असली और नकली सत्तू की पहचान करने के लिए आप एक

आसान तरीका अपना सकते हैं, जिसमें बस सत्तू को पानी में मिलाकर उसका रंग, बनावट और गंध ध्यान से देखें.इसके लिए सबसे पहले थोड़ा सा सत्तू लें और एक गिलास पानी में डालें, अच्छी तरह मिलाएं. अगर सत्तू असली होगा तो पानी में मिलाने पर इसका रंग भी हल्का भूरा या पीला रहेगा.असली सत्तू हल्का खुरदरा होता है, इसके अलावा असली सत्तू से हल्की खुशबू आती है. अगर इसमें कोई अजीब या तेज गंध है, तो वह नकली सत्तू हो सकता है .अगर आपको सत्तू बाहर से लेने पर शक या डर है तो आप घर पर भी आसानी से सत्तू तैयार कर सकते हैं. घर पर टेस्टी सत्तू आसानी से चने को पीसकर तैयार हो सकता है.

खाना खाते ही बार–बार 350 से ज्यादा हो रहा शुगर लेवल तो क्या करें? जानें जान बचाने वाली बात

खाना खाने के तुरंत बाद ब्लड शुगर लेवल बढ़ना बेहद आम है. हालांकि, कई बार शुगर लेवल काफी ज्यादा बढ़ जाता है, जिसका स्तर 350 उहध्कस तक पहुंच जाता है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह सुरक्षित है? आइए एक्सपर्ट्स से जानते हैं कि अगर शुगर लेवल 350 हो जाए तो क्या करें?किस वजह से होती है दिक्कत?दिल्ली स्थिति सीके बिरला हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. मनीषा अरोड़ा ने बताया कि अगर शरीर में पर्याप्त इंसुलिन नहीं बन रहा है या बॉडी में इंसुलिन रेसिस्टेंस होने लगा है तो इंसुलिन सही तरह से बन नहीं पाता है. कई बार इंसुलिन फैट सेल्स यानी एडिपोसाइट्स में फंसा रह जाता है, जिसके चलते इसका इस्तेमाल नहीं हो पाता है. इसके चलते ब्लड में ग्लूकोज मौजूद रहता है और ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. शरीर में कैसे बनता है इंसुलिन?हमारे शरीर में इंसुलिन दो तरह से बनता है. इनमें पहला तरीका बेसल सेक्रेशन का होता है, जिसमें व्रत रखने पर भी इंसुलिन बनता है. वहीं, दूसरा तरीका बोलस सेक्रेशन होता है, जिसमें खाना खाते ही इंसुलिन बनने लगता है. मिठाई या केक जैसे हाई ग्लाइसेमिक या कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें खाने से ब्लड शुगर लेवल काफी तेजी से बढ़ता है. डॉ. अरोड़ा के मुताबिक, स्टेरॉयड वाली दवाओं, ज्यादा टेंशन लेने या पहले से मौजूद कई गंभीर बीमारियों की वजह से भी ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. जैंड्रा हेल्थकेयर में डायबिटीज डिपार्टमेंट के हेड डॉ. राजीव कोविल के मुताबिक, ज्यादा कार्बोहाइड्रेट, ज्यादा मीठा भोजन करने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ता है. इसकी वजह से ब्लड शुगर लेवल 350 उहध्कस तक पहुंच सकता है. गौर करने वाली बात यह है कि इंसुलिन या ओरल दवाओं का इस्तेमाल न करने और इंसुलिन की गलत डोज लेने से भी यह दिक्कत हो सकती है. अचानक बढ़ा ब्लड शुगर लेवल कैसे करें कंट्रोल?डॉ. अरोड़ा ने बताया कि अगर खाना खाने के बाद शुगर काफी तेजी से बढ़ जाती है तो इसके लिए हेल्दी ला. इफस्टाइल अपनाने की जरूरत है. उन्होंने बताया कि इसके लिए ज्यादा पोषक तत्व और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें खाना ज्यादा फायदेमंद होता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज करना भी बेहद जरूरी होता है. साथ ही, दवाएं खाने का वक्त भी तय करना जरूरी है. इन चीजों का रखें खास ख्याल ब्लड शुगर लेवल की जांच लगातार करें ब्लड शुगर लेवल चेक करने के लिए ग्लूकोमीटर इस्तेमाल करें दवाओं का सेवन तय समय पर करें डॉक्टर के हिसाब से इंसुलिन और दवाएं लें बीमारी या डेली रुटीन के हिसाब से डॉक्टर के बताए निर्देशों का पालन करें डाइट सही रखें

कंडोम इस्तेमाल करने के बाद भी हो सकता है HIV जवाब सुनकर हैरान रह जाएंगे आप

मैंने तो कंडोम यूज किया था, फिर भी डर लग रहा है‘ ये बात कई लोगों के मन में कहीं न कहीं रहती है, खासकर जब बात एचआईवी जैसी गंभीर बीमारी की हो. सेक्स के दौरान सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार माने जाने वाले कंडोम पर भरोसा तो सब करते हैं, लेकिन क्या ये पूरी गारंटी दे सकता है यानी क्या यह सुरक्षित है। बता दें, कंडोम का इस्तेमाल कई तरह से इंफेक्शन से बचने के लिए किया जाता है. साथ ही प्रेगनेंसी रोकने के लिए भी किया जाता है. लेकिन क्या एचआईवी की समस्या को रोकने के लिए ये कारगार साबित हो सकता है. क्या कंडोम लगाने के बाद भी भ्प्ट हो सकता है?कंडोम जब सही तरीके से और हर बार इस्तेमाल किया जाए, तो यह भ्प्ट से बचाव का एक बेहद प्रभावशाली तरीका है. लेकिन फिर भी कुछ स्थितियों में रिस्क बनी रहती है. कब होता है रिस्क?कंडोम का फटना या फि. सलनाअगर सेक्स के दौरान कंडोम फट जाए या बीच में फिसल जाए, तो भ्प्ट वायरस का ट्रांसफर संभव हो सकता है. गलत तरीका अपनानाकई लोग कंडोम को सेक्स के दौरान देर से पहनते हैं या निक. ालने में गलती कर बैठते हैं, जिससे रिस्क बढ़ जाता है. तेल या लोशन का इस्तेमालअगर आप तेल आधारित लुब्रिकेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो ये लेटेक्स कंडोम को कमजोर कर सकता है और फटने की संभावना बढ़ा देता है. कंडोम की क्वालिटी या एक्सपायरीसस्ते, नकली या एक्सपायर्ड कंडोम की वजह से भी सुरक्षा कमजोर हो सकती है. भ्प्ट से बचने के लिए सही तरीका क्या है?हमेशा ब्रांडेड और सही तारीख वाला कंडोम खरीदेंसेक्स से पहले ही कंडोम पहनें, और सेक्स खत्म होने के बाद धीरे–धीरे निकालेंवाटर–बेस्ड लुब्रिकेंट्स का इस्तेमाल करें कंडोम भ्प्ट से सुरक्षा देता है, लेकिन पूरी तरह से ठीक नहीं है. इसलिए सिर्फ कंडोम पर निर्भर रहना ही काफी नहीं है, बल्कि सही जानकारी, सतर्क व्यवहार और समय पर जांच भी जरूरी हैं. अगर आपको कभी भी शक हो कि आप रिस्क में हैं, तो डॉक्टर से मिलकर भ्प्ट टेस्ट या च्म्च् ट्रीटमेंट की जानकारी जरूर लें.

सोते समय दिखें ये 5 लक्षण तो समझ जाएं हो गया है ब्रेन ट्यूमर, तुरंत करें डॉक्टर को कॉल

ब्रेन ट्यूमर बेहद गंभीर बीमारी है, जो दिमाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के कारण होती है. आज वर्ल्ड ब्रेन ट्यूमर डे के मौके पर हम आपको इस खतरनाक बीमारी के उन पांच लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जो सोते समय नजर आते हैं. अगर आपको भी इसी तरह की दिक्कतें हो रही हैं तो डॉक्टर को तुरंत कॉल करना चाहिए. क्या और क्यों होता है ब्रेन ट्यूमर?जब दिमाग में कोशिकाएं अचानक बढ़ने लगती हैं तो कोशिकाओं के इस ग्रुप को ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है. कोशिकाओं के ये ग्रुप माइल्ड या सीरियस हो सकते हैं. माइल्ड ट्यूमर आमतौर पर धीरे–धीरे बढ़ते हैं और कैंसर का कारण नहीं बनते. वहीं, सीरियस ट्यूमर तेजी से फैलते हैं और जानलेवा हो सकते हैं. डब्ल्यूएचओ यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॅभ्व्) के मुताबिक, दुनियाभर में हर साललाखों लोग इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं. वहीं, भारत में भी इस बीमारी के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं. सोते समय दिखते हैं ब्रेन ट्यूमर के पांच अहम लक्षणसुबह के समय तीव्र सिरददर्रू ब्रेन ट्यूमर का सबसे आम लक्षण सिरदर्द है. अगर आपको रात में सोते समय या सुबह उठते ही तेज सिरदर्द हो रहा है तो यह बेहद चिंताजनक है. इस तरह का सिरदर्द धीरे–धीरे और लगातार होता है, जो खांसने, छींकने या टेंशन होने पर बढ़ जाता है. यह सिरदर्द दिमाग में ट्यूमर के कारण बढ़े हुए दबाव (इंट्राक्रैनियल प्रेशर) का सिग्नल हो सकता है. अगर आपको रात में नींद से जागने के बाद सिरदर्द महसूस हो और यह सामान्य दवाओं से ठीक न हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए. रात में बार–बार नींद टूटना या अनिद्रारू ब्रेन ट्यूमर के मरीजों में नींद से जुड़ी दिक्कतें काफी ज्यादा होती हैं. दरअसल, ट्यूमर से दिमाग के उन हिस्सों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है, जो नींद को कंट्रोल करते हैं. इससे अनिद्रा या रात में बार–बार नींद टूटने की दिक्कत हो सकती है. कुछ मामलों में मरीजों को ज्यादा नींद आना या दिन में सुस्ती महसूस होना भी देखा गया है. अगर आप बिना किसी खास वजह के नींद में गड़बड़ी महसूस कर रहे हैं तो यह ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है.रात में पसीना और बेचौनीरू सोते समय अचानक पसीना आना या बेचौनी महसूस होना भी ब्रेन ट्यूमर का संभावित लक्षण हो सकता है. दरअसल, ट्यूमर से दिमाग का हाइपोथैलेमस क्षेत्र प्रभावित हो सकता है, जो शरीर क तापमान और हार्मोनल बैलेंस नियंत्रित करता है. इसकी वजह से रात में सोते वक्त ज्यादा पसीना आना, बेचौनी या असामान्य थकान हो सकती है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर यह समस्या बार–बार हो रही है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए.रात में दौरे पड़नारू रात के वक्त दौरे पड़ना ब्रेन ट्यूमर का गंभीर लक्षण है. ये दौरे हल्के से लेकर बेहद गंभीर तक हो सकते हैं. इस दौरान शरीर में अचानक झटके लगने से लेकर बेहोशी तक की दिक्कत हो सकती है. दरअसल, वयस्कों में अचानक आने वाले दौरों का कनेक्शन ब्रेन ट्यूमर से होता है. अगर आपको या आपके किसी करीबी को सोते समय इस तरह के लक्षण दिखें तो तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें.रात में उल्टी आनारू सोते समय या सुबह उठते ही उल्टी आए तो यह ब्रेन ट्यूमर का प्रमुख लक्षण हो सकता है. कई रिसर्च में सामने आया है कि ट्यूमर की वजह से दिमाग में बढ़े हुए प्रेशर के कारण उल्टी की समस्या होने लगाती है. ऐसा खासकर सुबह नींद से उठते ही ज्यादा होता है. यह लक्षण उस वक्त ज्यादा गंभीर हो जाता है, जब यह सिरदर्द के साथ होता है. अगर आपको बिना किसी खास वजह के ऐसे लक्षण नजर आएं तो तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए.

भारत–पाकिस्तान के बाद एशिया के इन दो देशों के बीच छिड़ सकती है जंग! बॉर्डर पर बड़ी संख्या में फौजी तैनात

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर 28 मई 2025 को एक झड़प हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई. यह घटना उस विवादित क्षेत्र में हुई जहां आज तक कोई स्पष्ट सीमा–रेखा निर्धारित नहीं हुई है. इसके बाद से दोनों देशों की सेनाओं ने सीमा पर तैनाती बढ़ा दी है. थाईलैंड के उप–प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री फुमथम वेचायाचाई ने आरोप लगाया कि कंबोडिया ने द्विपक्षीय वार्ता में शांति प्रस्तावों को खारिज किया और जानबूझकर तनाव को बढ़ाया. भारत–पाकिस्तान के हालिया तनाव के बाद अब एशिया के इन दो देशों के बीच युद्ध होने के आसार दिख रहे हैं. थाई सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कंबोडियाई सैनिक और नागरिक बार–बार थाई क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे हैं. थाईलैंड ने घोषणा की कि वह सभी सीमा चौकियों पर पूर्ण नियंत्रण रखेगा और ष्उच्च–स्तरीय सैन्य अभियानष् के लिए तैयार है. थाई सरकार की ओर से यह बयान उनकी संप्रभुता की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, लेकिन इससे यह भी संकेत मिलता है कि सीमा पर सैन्य कार्रवाई किसी भी समय तेज हो सकती है.कंबोडिया की ओर से जवाब कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने एक भाषण में दोहराया कि उनका देश संघर्ष शुरू करने में विश्वास नहीं रखता, लेकिन अगर आक्रमण हुआ, तो बचाव के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्हा.ने अंतरराष्ट्रीय कानून और कंबोडिया की संप्रभुता की रक्षा को सर्वोपरि बताया.उन्होंने यह भी घोषणा की कि कंबोडिया अब विवादित सीमा क्षेत्रों को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में ले जाएगा. यह निर्णय उस समय लिया गया जब द्विपक्षीय वार्ताएं विफल हो गईं.100 सालों से चला आ रहा विवाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 817 किलोमीटर लंबी सीमा है, जिसमें कई स्थानों पर संप्रभुता विवाद है. यह सीमा 1907 में फ्रांस द्वारा निर्धारित की गई थी जब कंबोडिया एक फ्रांसीसी उपनिवेश था. 2008 में विवाद ने 11वीं शताब्दी के प्रेआ विहेयर मंदिर को लेकर हिंसक रूप ले लिया था, जिसमें दर्जनों लोगों की जान गई और 2011 में एक सप्ताह तक तोपखाने की गोलाबारी भी हुई.मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, जो इस समय ASEAN अध्यक्ष हैं, दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन असफल रहे. यह पूरे ASEAN क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है.

किसी का सगा नहीं चीन! पुतिन की पीठ में खंजर घोंप रहे जिनपिंग

रूस और चीन की दोस्ती को दुनिया ने एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखा है. राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तो चीन को अकसर शबिना किसी सीमा वाला साझेदारश कहते हैं, लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि रूसी खुफिया एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (ष्ठ) चीन को एक दुश्मन की तरह देख रही है.एनवाईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चीन गंभीर खतरा बन चुका है. दस्तावेज में बीजिंग पर जासूसी, सैन्य तकनीक की चोरी और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं होने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं.रूस की सुरक्षा के लिए खतरा है चीनरू रिपोर्ट एफएसबी की लीक रिपोर्ट में चीन को खुलकर रूस की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाला देश बताया गया है. बीजिंग रूस के वैज्ञानिकों और जासूसों को फुसलाकर उनसे सैन्य गोपनीय जानकारियां निकालने की कोशिश कर रहा है. रूसी खुफिया एजेंसी का मानना है कि यह सब रूस के खिलाफ एक सुनियोजित योजना के तहत हो रहा है.रूस में जासूसों की भर्ती कर रहा चीनरिपोर्ट में कहा गया है कि चीन, रूसी जासूसों और असंतुष्ट वैज्ञानिकों की भर्ती करने की कोशिश कर रहा है. सैन्य और तकनीकी गोपनीय जानकारी चुराने के लिए इन लोगों का इस्तेमाल कर रहा है. इसके अलावा वह उच्च संवेदनशीलता वाले रक्षा शोध को टारगेट कर रहा है. यह आरोप रूस और चीन की बढ़ती दोस्ती के दावों को झूठा साबित करने जैसा है. यूक्रेन में भी चीन की जासूसी? न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, एफएसबी को यह भी शक है कि चीन यूक्रेन में रूस की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रहा है. इसका मकसद पश्चिमी देशों के हथियारों और युद्ध रणनीति की जानकारी हासिल करना है. इसके अलावा, चीनी शिक्षाविद रूस के कुछ क्षेत्रों पर भविष्य में दावा ठोकने के लिए वैचारिक आधार तैयार कर रहे हैं. आर्कटिक पर भी चीन की नजर इसके अलावा चीन खनन कंपनियों और यूनिवर्सिटी रिसर्च सेंटरों के जरिए आर्कटिक में भी जासूसी कर रहा है. चीन की ओर से यह काम बहुत बारीकी और योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है. 8 पन्नों वाले इस दस्तावेज में एफएसबी ने चीन की जासूसी गतिविधियों को रोकने के लिए स्पष्ट प्राथमिकताएं तय की हैं.इस एफएसबी रिपोर्ट की तारीख तो नहीं है, लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इसे 2023 के अंत या 2024 की शुरुआत में तैयार किया गया होगा. इस फाइल को ।तमे स्मो नामक साइबर क्राइम ग्रुप ने सार्वजनिक किया, लेकिन यह नहीं बताया कि उन्हें यह कैसे मिला. हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस दस्तावेज को छह पश्चिमी खुफिया एजेंसियों से जांच करवाया और सभी ने इसे सही माना है.

ट्रंप ने अमेरिका में 12 देशों के नागरिकों की एंट्री पर लगाई रोक तो भड़क गया ईरान

ईरान ने शनिवार (07 जून, 2025) को अमे.रिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए ट्रैवल बैन की कड़ी आलोचना की, जिसमें ईरान भी शामिल है. ईरान ने कहा कि यह बैन ईरानियों और मुसलमानों के खिलाफ नफरत दिखाता है. इस संदर्भ में ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर एक बयान जारी किया हैबयान में एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया, ष्सिर्फ धर्म और नागरिकता के आधार पर ईरानी नागरिकों की एंट्री पर बैन लगाना, न केवल ईरानी लोगों और मुसलमानों के प्रति अमेरिका के फैसले लेने वालों की गहरी नफरत दिखाता है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का भी उल्लंघन है.ष्अमेरिका ने ईरान पर लगाए ये आरा.`पअमेरिका ने 30 से ज्यादा लोगों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं. उसका आरोप है कि ये लोग ईरान से जुड़े एक ष्बैंकिंग नेटवर्कष् का हिस्सा हैं, जो अरबों डॉलर की मनी लॉन्ड्रिंग कर चुके हैं.ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कही ये बातरॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघई ने कहा, ष्अमेरिका के ये नए प्रतिबंध अवैध हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं. ये दिखाते हैं कि अमेरिका की सरकार ईरानी लोगों के खिलाफ लगातार दुश्मनी रखती है.ष्अमे.रिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इन 12 देशों पर लगाया बैनगौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 12 देशों के लोगों पर अमे.रिका आने का पूरा रोक लगा दिया है. इनमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन हैं. कुछ देशों जैसे बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला पर कुछ खास पाबंदियां लगाई गई हैं. वहां के लोगों को अमेरिका में लंबे समय तक रहने की वजह से या पुलिस के सहयोग न करने की वजह से वीजा देना मुश्किल होगा.व्हाइट हाउस ने क्यों लिया ये फैसला?व्हाइट हाउस ने कहा कि ये कदम अफगानिस्तान में तालिबान, ईरान और क्यूबा के आतंकवाद और हैती से बढ़ते अवैध प्रवासियों की वजह से लिए गए हैं.

देवेन्द्र यादव ने सीएम रेखा गुप्ता पर बोला हमला

दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बीजेपी की सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह यमुना की सफाई में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है. बीजेपी अब जनता को भ्रमित करने के लिए क्रूज चलाने का सपना दिखा रही है. दिसंबर 2025 तक यमुना में क्रूज शुरू करने का दावा पूरी तरह से जनता को गुमराह करने और अपनी 100 दिनों की विफलताओं पर परदा डालने की कोशिश है.दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष यादव ने कहा, ष्मार्च 2025 में सोनिया विहार से जगतपुर तक 6 किला.मीटर क्रूज चलाने की जो योजना घोषित की गई थी, वह अब तक निष्क्रिय पड़ी है. तीन महीने की देरी की शिकार हो चुकी है. उन्होंने इसे ठीक वैसा ही छलावा बताया जैसा कि पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को लंदन और पेरिस बनाने का वादा कर किया था.ष कांग्रेस नेता ने रेखा गुप्ता को सुझाव दिया, ष्ये सरकार को इवेंट आधारित प्रचार से हटाकर दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में गंभीरता से काम करने को कहे. उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस यमुना में क्रूज चलाने के विचार का विरोध नहीं करती, लेकिन सवाल यह है कि क्या आज की स्थिति में गंदगी से भरी यमुना में पर्यटकों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह पाएगा?ष्37 में से 11 एसटीपी ही कर रहे काम देवेन्द्र यादव ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि शहर के कुल 37 सीवर ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) में से केवल 11 ही मानकों के अनुसार काम कर रहे हैं. बाकी 26 प्लांट्स या तो ठप हैं या क्षमता से कम पर प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे सीधा गंदा पानी यमुना में गिर रहा है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ऑडिट का फैसला किया है, जो सरकार की नीयत और कार्यप्रणाली दोनों पर सवाल खड़े करता है.यमुना में रोजाना गिर रहा 171 एमजीडी गंदा पानी देवेन्द्र यादव ने यह भी बताया कि 2015 में एनजीटी के निर्देश पर शुरू हुए 18 एसटीपी के अपग्रेडेशन का काम 2017 तक पूरा होना था, लेकिन आज तक लंबित है. इससे यह स्पष्ट होता है कि आम आदमी पार्टी और बीजेपी दोनों की सरकारों ने यमुना की सफाई को केवल घोषणाओं तक सीमित रखा. उन्होंने चिंता जताई कि वजीराबाद से ओखला बैराज तक 22 किलोमीटर की यमुना धारा अत्यधिक प्रदूषित है, जिसमें सीधा औद्योगिक, केमिकल और घरेलू कचरा गिरता है. दिल्ली में प्रतिदिन 792 एमजीडी सीवेज निकलता है, जिसमें से 171 एमजीडी बिना उपचारित यमुना में जा रहा है जो यह दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे की घंटी है. कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार को चाहिए कि वह यमुना की सफाई को प्राथ.मिकता दे और सिर्फ इवेंट करने की बजाय ठोस योजनाओं पर अमल करे.

दिल्ली में 9 साल की बच्ची से हैवानियत के बाद हत्या, ब्रीफकेस में मिला शव! रोंगटे खड़े कर देगी वारदात

पीड़ित ध्यान दें

यदि आप भ्रष्टाचार, भेदभाव, अन्याय, शोषण और उत्पीड़न का शिकार हैं

यदि आपकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार की कोई जन सामाजिक समस्या या कोई अपराध हो रहा है तो सम्पादक 'जननायक सम्राट' को पूरे विवरण के साथ पत्र लिखकर इसकी जानकारी दें या मिलें।

इसे 'जननायक सम्राट' को प्रकाशित कर राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया जाएगा। पत्र भेजने वाले का पूरा नाम एवं पता देने आवश्यक है। इसे पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा।

मो. 8218049162

email: jannayaksamrataligarh@gmail.com
jnsnews24aligarh@gmail.com

दिल्ली के नेहरू विहार इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जहां एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई. बच्ची का शव एक बंद मकान में ब्रीफकेस के अंदर मिला, जिसमें से लगातार खून रिस रहा था.यह घटना 7 जून की रात करीब 8रू41 बजे की है, जब पुलिस को एक कॉल मिली कि नेहरू विहार की गली नंबर 2 में एक नाबालिग लड़की के साथ रेप हुआ है. पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि लड़की को उसके पिता जेपीसी अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में उसके चेहरे पर गहरी चोटों के निशान और यौन उत्पीड़न की आशंका जताई है.खून से सनी अर्धनग्न बेटी को देख कांप गए पितामृत बच्ची के पिता ने बताया कि शनिवार शाम उनकी बेटी पास में रहने वाली अपनी बड़ी अम्मी को बर्फ देने के लिए घर से निकली थी. काफी देर तक जब वह नहीं लौटी, तो परिजनों को काफी चिंता होने लगी जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई. जिस परिजन के घर उसे बर्फ लेकर जाना था वहां पहुंचे तो पता चला कि वह घर आई ही नहीं. परिजनों ने आसपास के बच्चों से पूछताछ की तो मालूम हुआ कि बच्ची एक मकान की ओर गई थी. जब पिता उस मकान पर पहुंचे तो बाहर से ताला लगा था. ताला तोड़कर अंदर जाने पर उन्हें एक ब्रीफकेस मिला, जिसमें से खून रिस रहा था. जैसे ही उस ब्रीफकेस को खोला देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई. उन्होंने देखा कि उनकी बेटी बेहोशी की हालात में अर्धनग्न खून से लथ.पथ पड़ी हुई है. तुरंत खुद को संभालते हुए वे बच्ची को पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. पीड़ित परिवार का आरोप है कि इस

घिनौनी वारदात को इलाके के ही कुछ स्थानीय लड़कों ने अंजाम दिया है. उनका कहना है कि आरोपी वारदात के तुरंत बाद से ही फरार हैं.पुलिस ने पीड़िता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और थ्द नंबर 300ध्25 के तहत ठछै की धारा 103(1)ध्66ध्13(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है.जानकारी के अनुसार, हैवानों की तलाश के लिए पुलिस ने 6 टीमें गठित की हैं. दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और फॉरेंसिक टीमों ने घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. साथ ही, आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए 6 टीमें गठित की गई हैं जो दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ और अलीगढ़ में लगातार छापेमारी कर रही हैं. पुलिस का कहना है कि वे सभी तकनीकी और स्थानीय सुरागों को खंगाल रही है ताकि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके.इस वारदात के बाद से इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल है. स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने भी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है. पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें जल्द कानून के कटघरे में लाया जाएगा. यह मामला एक बार फिर से राजधानी में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है.